एम.फिल.
हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रस्तावना

विश्वविद्यालयीन शोध संस्थानों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रदेय है – शोध कार्य । इस शोध कार्य को व्यवस्थित करने के लिये एम.फिल. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शोध–प्रविधि का विधिवत् प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है । इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत ऐसे पाठ्य विषयों का समावेश किया जा रहा है, जो शोधार्थी के लिए आवश्यक है, किन्तु जिनका संज्ञान उसे पहले नहीं कराया जा सका है ।

पाठ्य विषय

इस पाठ्यक्रम में दो सैद्धांतिक प्रश्न पत्र, एक प्रस्तावित शोध–कार्य से संबंधित प्रश्न पत्र, एक लघु शोध–प्रबंध लेखन और मौखिकी का प्रावधान किया गया है । संपूर्ण परीक्षा 500 अंको की होगी । इसकी अवधि एक वर्ष रखी गयी है ।

क्रं.	विषय	प्रश्नपत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक	सेमीनार	योग
1.	सैद्धांतिक–1	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया	80	20	100
2.	सैद्धांतिक–2	हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	80	20	100
3.	शोध–कार्य	शोध–आलेख	80	20	100
			कुल अंक		300
4.	लघु शोध प्रबंध	Script Writing			100
		लघुशोध प्रबंध पर आधारित सेमीनार			40
		मौखिकी			60
			कुल अंक		200
			महायोग		500

प्रश्नपत्र–1
अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया

1. अनुसंधान का स्वरूप ।
2. अनुसंधान और आलोचना ।
3. अनुसंधान के मूल तत्व ।
4. अनुसंधान के प्रकार ।
5. विषय–निर्वाचन ।
6. सामग्री– संकलनः हस्तलेखों का संकलन और उपयोग ।
7. शोध–कार्य का विभाजन, अध्याय–उपशीषक और अनुपात ।
8. रूपरेखा, विषय–सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रंथों की सूची, संदर्भ–उल्लेख, पाद–टिप्पणी ।

9. साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग ।
10. साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग ।
11. हिन्दी अनुसंधान से संबंद्ध विषयों की भूमिका ।
12. पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत ।
13. भाषा वैज्ञानिक अनुसंधान ।

सहायक ग्रंथ–

1. शोध और सिद्धांत – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग, नईदिल्ली ।
2. शोध–तंत्र और सिद्धांत – डॉ. शैल कुमारी, लोकवाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
3. शोध और समीक्षा– डॉ. परमेश्वरलाल गुप्ता, बंबई, 1990
4. शोध–तत्व और खोज– डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल, बल्लभ विद्या नगर गुजरात, 1968
5. शोध और समीक्षा – डॉ. सुरेशचन्द्र गुप्ता, आगरा, 1967
6. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका– डॉ. सनूनार सिंह शर्मा, 1964, लखनऊ
7. अनुसंधान स्वरूप एवं प्रविधि – डॉ. रामगोपाल शर्मा दिनेश, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर 1994.
8. नवीन शोध विज्ञान– तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
9. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग, नई दिल्ली ।
10. फंडामेटल ऑफ कम्प्यूटर – प्रज्ञा प्रकाशन ।
11. भारतीयता के अमर स्वर – संपादक : धनंजय वर्मा, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी ।

प्रश्न पत्र 2

हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

पाठ्यविषय

विचारधारा और साहित्य
मध्ययुगीन बोध का स्वरूप
विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन
मध्ययुगीन–बोध और आधुनिक –बोध में साम्य–वैषम्य
आधुनिकता–बोध और औद्योगिक –संस्कृति
राष्ट्रीयता और अर्न्राष्ट्रीयता
पुर्नजागरण, पुनरूत्थान और हिन्दी लोक–जागरण
हिन्दी साहित्य से संबंद्ध विशिष्ट मतवाद, गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर–आधुनिकतावाद

परम्परा और आधुनिकता
राष्ट्रीय स्वातंत्रय आंदोलन
भारतीय संवैधानिक व्यवस्था–लोकतंत्र, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, दलित–चेतना, स्त्री–विमर्श आंचलिकता और महानगर–बोध ।
साहित्य का अंतर्विधापरक, अध्ययन–साहित्य का समाजशास्त्र, इतिहास–दर्शन, मनोवैज्ञानिक अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, भाषा वैज्ञानिक विवेचन, भाषा प्रौद्योगिकी बोध ।

सहायक ग्रंथ–

1. साहित्य और विचारधारा– ओमप्रकाश ग्रेवाल, पंचकूला, 1904 हरियाणा
2. इतिहास और आलोचना–नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली 1962
3. साहित्य का स्वरूप– नंदकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन बीकानेर
4. आधुनिकतावाद– दुर्गाप्रसाद गुप्ता, आकाशदीप प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिकता और हिन्दी साहित्य – इन्द्रनाथ मदान
6. आधुनिकता के बारे में तीन अध्याय– डॉ. धनंजय वर्मा, विद्या प्रकाशन, दिल्लो
7. आलोचना के सारोबार – डॉ. धनंजय वर्मा, साहित्य कला भंडार, इलाहाबाद
8. समकालीन साहित्यय – नया परिदृश्य – रामस्वरूप चतुर्वेदी अनुभूति प्रकाशन, इलाहाबाद
9. सौन्दर्यशास्त्रीय समीक्षा– एस–टी नरसिम्हाचारी–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. स्त्रीः उपेक्षिता – सिमोनद वोउवार, अनुवाद– डॉ. प्रभा खेतान, किताबघर नईदिल्ली
11. स्त्रीः सारोबार– आसारानी वोरा, किताबघर प्रकाशन, नईदिल्ली
12. हरिजन से दलित, राजकिशोर, संपादक – किताबघर प्रकाशन नई दिल्ली
13. दलित साहित्य सौन्दर्यशास्त्र– शरणकुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. संस्कृति के चार अध्याय– रामाधारी सिंह दिनकर
15. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, प्रगति प्रकाशन, नई दिल्ली
16. साहित्य और सामाजिक परिवर्तन – बद्रीनारायण, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
17. साहित्य के बुनियादी सरोबार – डॉ. कर्णसिंह चौहान– वाणी प्रकाशन नईदिल्ली

प्रश्नपत्र–3
शोध – आलेख

इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत निम्नलिखित वर्गो में से किसी एक वर्ग से संबंधित विषय पर गहन अध्ययन किया जाएगा । इसका अध्यापन विभागीय विषय विशेषज्ञ द्वारा या सेमीनार के रूप में किया जाना चाहिए । विषय का आबंटन विभागीय व्यवस्था के अंतर्गत किया जाएगा । इसी विषय का परिविस्तार विद्यार्थी चतुर्थ प्रश्नपत्र में निर्धारित लघु शोध–प्रबंध के रूप में और इसी विषय को विस्तारित करके पी.एच.डी. उपाधि हेतु शोध प्रबंध भी प्रस्तुत कर सकता है ।

1. आदिकालीन हिन्दी साहित्य
2. मध्यकालीन हिन्दी साहित्य
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य
4. लोक–साहित्य तथा जनपदीय साहित्य
5. भाषा विज्ञान एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी
6. काव्यशास्त्र तथा समीक्षा सिद्धांत

यह आवश्यक है कि शोध विषय का चयन उपयोगिता एवं मौलिकता के आधार पर किया जाए । विद्यार्थी के मार्गदर्शन हेतु विशेषज्ञ प्राध्यापकों का निर्देशन सुलभ कराया जाए । कक्षाध्यापन/सेमीनार की उचित व्यवस्था अपेक्षित है ।

इस शोध–आलेख का मूल्यांकन उत्तरपुस्तिका के रूप में 80 अंकों में से किया जाएगा ।

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, साहित्य सम्मेलन प्रयाग
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास – डॉ. नगेन्द्र – नेशनल प्रकाशन
4. आधुनिक साहित्य–आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी–लोकभारती, इलाहाबाद
5. नया साहित्य–नये प्रश्न–आचार्य नन्ददुलार बाजपेयी– भारती भण्डार, इलाहाबाद
6. आधुनिकता के प्रतिरूप – डॉ. धनंजय वर्मा– विद्या प्रकाशन दिल्ली
7. समावेशी आधुनिकता – डॉ. धनंजय वर्मा– विद्या प्रकाशन दिल्ली
8. हस्तक्षेप – डॉ. धनंजय वर्मा– विद्या प्रकाशन दिल्ली
9. काव्य शास्त्र – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आगरा
10. पाश्चात्य समीक्षा की रूपरेखा – साहित्य शास्त्र–रामसागर दास गुप्ता, राजकुमार, जयपुर
11. साहित्य शास्त्र– भारतीय एवं पाश्चात्य – रामसागर दास गुप्ता, राजकुमार, जयपुर

12. भारतीय समीक्षा सिद्धांत – सूर्यनारायण द्विवेदी, वाराणसी 1976
13. साहित्य इतिहास : सिद्धांत एवं स्वरूप – विजय शुक्ल, इलाहाबाद, 1978
14. समीक्षा के प्रतिमान – डॉ. गंगचरण त्रिपाठी, भिलाई
15. समीक्षा के नये प्रतिमान – सुखबीर सिंग, तक्षशिला, नई दिल्ली

प्रश्न पत्र– 4
लघुशोध– प्रबंध

इसके अंतर्गत लगभग 100 (सौ) टंकित पृष्ठों का लघु शोध–प्रबंध परीक्षणार्थ प्रस्तुत किया जाएगा । विषय का आबंटन विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा किया जाएगा । विभाग ही विशेषज्ञ/निर्देशक की व्यवस्था करेगा । इस लघु शोध–प्रबंध का मूल्यांकन 100 अंको का कराया जाना अभिष्ट है, जिसका मूल्यांकन बाह्य विशषज्ञ परीक्षक के द्वारा कराया जावेगा ।

मौखिकी

लघुशोध प्रबंध पर सेमीनार 40 अंको का तथा मौखिकी 60 अंको का होगा । 40 अंकों की परीक्षा (सेमीनार) निर्देशक एवं कम से कम एक शिक्षक जो विषय से संबंधित हो के द्वारा ली जावेगी । 60 अंको की मौखिक परीक्षा आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक के द्वारा ली जावेगी ।